Mentorship Program
Nehru Vihar

दृष्टि The Vision

drishti

Drishti Mentorship Programme (Mains)-2024

Essay

Name of Candidate: ARUN MALUIYA		**Subject/Code:**	ESSAY
UPSC Roll No: 7806712		**Date:**	21.07.24
Drishti Id:		**E-mail Id:**	ARUNRAMBHAI270@Gmail
Centre: MN. DELHI		**Medium:**	Hindi.

Test Code:

Time allowed: Three Hours

Maximum Marks: 250.

(To be filled by Evaluator only)

Section	(Essay Topic No.)	Marks Obtained
A		
B		
Total		

Overall Feedback

INSTRUCTIONS

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

- प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।
- प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।
- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

- The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
- Word limit, as specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

For Student Only

Time Taken	Start Time:	End Time:	Student Signature	Arunḱgr
Mode of Examination	Online ☐	Offline ☑		

For Office Use Only

Evaluators Code	Evaluator Sign	Evaluation Date	Reviewers Code	Reviewers Sign

Feedback				
Sr. No	**मापदण्ड/Parameters**	**Max. Marks**	**Section-A (Essay-1)**	**Section-B (Essay-2)**
1.	**परिचय:** विषय की स्पष्टता और सुसंगति। **Introduction:** Clarity of theme and Coherence	10		
2.	**विषय वस्तु:** प्रासंगिकता, विश्लेषण की गहराई और उदाहरणों/साक्ष्यों का उपयोग। **Content:** Relevance, depth of analysis, and use of examples/evidence.	25		
3.	**संरचना और संगठन:** तार्किक प्रवाह, पैराग्राफ संरेखण और विचारों की सुसंगतता। **Structure and Organization:** Logical flow, Paragraph alignment and Coherence of ideas.	20		
4.	**प्रासंगिकता:** विषय से विचलन की अनुपस्थिति, तर्क और पुष्टि/प्रमाणीकरण के बीच संतुलन **Relevance:** Absence of Deviation from Topic, Balance between argument and substantiation.	20		
5.	**भाषा और अभिव्यक्ति:** स्पष्टता, व्याकरण, वाक्यविन्यास, शब्दावली और अभिव्यक्ति **Language and Expression:** Clarity, Grammar, Syntax, Vocabulary and Articulation	20		
6.	**निष्कर्ष:** तर्कों और निष्कर्ष का प्रभावी सारांश। **Conclusion:** Effective summary of arguments and conclusion.	10		
7.	**मौलिकता और रचनात्मकता:** विचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति में नवीनता। **Originality and Creativity:** Innovation in thought and creative expression.	20		
	कुल: Total:	125		

*** UPSC Requirement for Essay Paper:**

Candidates may be required to write essays on multiple topics. They will be expected to keep ***closely to the subject*** *of the essay to* ***arrange their ideas in orderly fashion*** *and to* ***write concisely.*** *Credit will be given for* ***effective and exact expression.***

*** निबंध पेपर के लिए यूपीएससी की अपेक्षा:**

उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिये जायेंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के ***विषय के निकट*** *रखते हुए* ***क्रमबद्ध*** *करें तथा* ***संक्षेप*** *में लिखें।* ***प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों*** *के लिये श्रेय दिया जायेगा।*

Copyright – Drishti The Vision Foundation

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों का हो :

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Write two essays, choosing one topic from each of the following Sections A and B, in about 1000-1200 words each: (125 × 2 = 250)

खंड-A/SECTION-A

Topic:

" सत्ता इंसान को भ्रष्ट करती है और पूर्ण सत्ता इंसान को पूरी तरह से भ्रष्ट कर देती है।"

भारतीय प्राचीन ऐतिहासिक साहित्य ग्रंथ अर्थशास्त्र में 'मगध राज्य' के राजा घनानंद और महापद्मानंद की कहानी मिलती है। लगभग 300 ई. पू. मगध की गद्दी पर राजा घनानंद बैठे जो भोगविलास, स्त्रीलिप्सा तथा मदिरापान करके अपने प्रजा के प्रति पूर्णत: गैर- जिम्मेदार थे। परिणामत: सिकन्दर जैसे यूनानी आक्रमणकारियों का आक्रमण भारत देश में हुआ और भारत की स्थिति पर भयावहता के काले - बादल मंडराने लगे।

घनानंद को सत्ता की प्राप्ति ने भ्रष्टाचारी राजा बना दिया और वह तत्कालिक परिस्थितियों में देश के लिए हानिकर हुआ।

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

घनानंद जैसे राजा की मादकता और उसका भ्रष्ट आचरण सत्ता और उससे जुड़ी भ्रष्टाचारी बातो को उजागर करती है।

"I Am the state" "मैं ही राज्य हूँ" का भाव भ्रष्टाचारी संस्थाओ की तरफ ले जाता है।

भ्रष्टाचार और सत्ता इन दोनों में गहरा अंर्तसंबंध है। प्रसिद्ध दार्शनिक "लार्ड एक्टन" ने भी इसे 'सत्ता भ्रष्ट करती है और परम सत्ता इंसान को ओर अधिक भ्रष्टाचारी बनाती है।' कहकर समझाया।

वे मानते थे कि, जब किसी व्यक्ति को शासन व्यवस्था की बागडोर सौंपी जाती है तब उसे अपनी शक्तियों का दुरूपयोग करने का पूरा 'स्कोप' मिलता है। क्योंकि उसमें शक्तियों का केन्द्रण होता है तथा यह शक्ति केन्द्रण जितना अधिक होगा, इंसान में भ्रष्टाचारिता का गुण उतना ही अधिक दिखाई देने लगता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस बात की पुष्टि कई लोक प्रशासन के विद्वानों ने भी की है, कि सत्ता व्यक्ति को भ्रष्ट बनाती है। इस बात की पुष्टि पाकिस्तान के सेनाप्रमुख और बाद में राष्ट्रपति बने परवेज मुशर्रफ से भी की जा सकती है। क्योंकि उनको सत्ता मिलने के बाद ISI तथा आतंकवाद एवं देश विद्रोही चेतना जलाने की बातो की पुष्टि की गई।

हालांकि सत्ता प्राप्ति और भ्रष्टाचार के संबंध का यह कोई नवीन मसला नही है। हम यदि अपने पौराणिक ग्रंथो में जाकर देखे तो पाते है कि, किस तरह महाभारत में दुर्योधन के द्वारा सत्ता प्राप्ति पश्चात् आम जनता के विरुद्ध तथा पाण्डवो के लिए भ्रष्ट तरीके अपनाए। लाक्षागृह में पाण्डवो की उपस्थिति होने पर उसमे 'आग लगाना' ताकि पाण्डव उसमें जल कर मर जाए, पूर्ण सत्ता की परम भ्रष्टता को दिखाता है।

पौराणिक ग्रंथो के अतिरिक्त वैश्विक दुनिया में होने वाली कई घटनाओ में ऐसे वर्णन आम है जहा परम सत्ता

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
drishti
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के परम भ्रष्टाचार को देखा जा सकता है। 18 वी सदी में रूस में जारशाही शासन द्वारा लोगो की परवाह किए बिना अपने विशेषाधिकार की घटना हो या विश्व युद्ध के समय हिटलर द्वारा जर्मनी का चांसलर बनने पर यहुदियो के प्रति 'होलोकास्ट' दोनों घटनाएं सत्ता की भ्रष्टता दिखाती है।

हमें यह समझना होगा कि, भ्रष्टाचार का संबंध केवल आर्थिक पक्ष से नही होता है वरन् अपने नीजि स्वार्थों की सिद्दि हेतु 'संकीर्ण मानसिकता के साथ' किया गया किसी भी प्रकार का अनैतिक कार्य भ्रष्टाचार की ही श्रेणी में आता है।

यही संकीर्ण मानसिकता हमें भारतीय परिप्रेक्ष्य में अंग्रेजो के प्रति दिखाई देती है जिन्होनें अपने स्वार्थ की प्राप्ति हेतु भारतीय जनमानस पर 200 सालो तक जुल्म किया तथा भारतीय गौरव को क्षति पहुँचाई।

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

न केवल ऐतिहासिक संदर्भ में बल्कि अन्य आयामो मे भी सत्ता और भ्रष्टाचार का संबंध दिखता ही है। वर्तमान के कई समाजशास्त्रियो ने भारत की जाति-व्यवस्था तथा पितृसत्तात्मक नज़रिए को भी तथाकथित दलित-आदिवासियो, महिलाओ-समलैंगिको के ऊपर विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग की सत्ता के भ्रष्टाचार के रूप में ही देखा है।

अंग्रेजी साहित्य जगत की प्रसिद्ध लेखिका "सिमोन-द-बुआ" ने अपनी पुस्तक 'द सैकेण्ड सेक्स" में महिलाओ को समाज द्वारा कई वर्षो से किए जा रहे भ्रष्टाचार के रूप मे ही देखा वे कहती है:-

"महिलाएँ पैदा नही होती, अपितु समाज द्वारा बनाई जाती है।"

– सिमोन-द-बुआ।

समाज से ही जुड़ने और प्रभावित होने वाला प्रशासन भी इससे अछूता नही है। वैश्विक स्तर पर पनामा पेपर घटना, मनी लॉड्रिंग, हवाला, कालाधन, कर अपवंचन

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आदि की घटनाएं सत्ता के भ्रष्टाचार को दिखाती है। इसमें शीर्ष अभिकर्ताओ के 'नेक्सस' काम करते है। उदाहरण स्वरूप विजय माल्या, नीरव मोदी जैसे लोग इसके साक्षी है।

सत्ता और भ्रष्टाचार का कनेक्शन वैश्विक रूप में स्वीकार्य है। आजकल तो सिनेमा, साहित्य जगत और सोशल मीडिया भी इस सत्य को उजागर करते दिखते है। जैसे रूस के राष्ट्रपति पर बनी एक 'डाक्यूमेण्ट्री' में दिखाया है कि वहॉ का शासन तंत्र कैसे विपक्षी दलो की आवाज दबाता है। चीन और उत्तर कोरिया का परम सत्ता तंत्र भी इसका जीता जागता गवाह है।

21 वी सदी के हालिया संदर्भ में तकनीकी आज इंसानी शक्ति के सिर पर चढ़कर नृत्य कर रही है यदि आने वाले समय में तकनीकी अपनी चरम सत्ता को प्राप्त कर लेती है तो रोबोटिक्स 'कृत्रिम मेधा' (AI) जैसे टूल इंसानो को पीछे छोड़ देंगे और यह मानव इतिहास

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

का सबसे बड़ा भ्रष्टचार माना जाएगा।

"तकनीकी दो धारी तलवार है। आने वाले समय में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' और 'रोबोटिक्स' इंसानो के समक्ष सबसे बड़ा खतरा बनकर सामने आएगी।'
- सर स्टेफन हाकिन्स

धार्मिक और नैतिक मामलो में श्रेष्ठ माने जाने वाले कई अनैतिक संतो पर वर्तमान में आरोप- प्रत्यारोपण हुए है। जब यह 'बाबा सम्प्रदाय' सर्वोच्चता के शिखर पर पहुँचते है तब उनके कई कुकृत्यो का सामने आते है। जो उनकी परमसत्ता की परम भ्रष्टता दिखाते है। जैसे बालीवुड अभिनेता बॉबी देओल द्वारा 'आश्रम' वेब सीरिज की सफलता, आसाराम बाबा संबंधी केस आदि।

आज परमसत्ता का यह नशा परम भ्रष्टता को दिखाता हुआ प्रतीत होता है, परन्तु एक यथार्थ यह भी है कि "परम सत्ता अपने साथ जिम्मेदारियां भी लाती है।" यह हमेशा सत्य नही होता कि सत्ता भ्रष्टाचार की जननी का सदैव कार्य करती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

मसलन हॉलीवुड सिनेमा में बनी फिल्म "द स्पाइडरमेन" में उस फिल्म का नायक जब आम इंसान होता है तो वह नौकरी के काम करता है और जब उसे 'स्पाइडर' के द्वारा चमत्कारिक शक्ति मिलती है तो वह उस परम शक्ति/सत्ता का प्रयोग अमेरिका को दुश्मनी शक्ति से बचाने में करता है।

अमेरिका का जिक्र, मुझे याद दिलाता है कि वहाँ के सबसे प्रसिद्ध राष्ट्रपति "अब्राहम लिंकन" जब परम सत्ता के शीर्ष केन्द्र पर पहुँचे तब उन्होने अमेरिकी संविधान के भाग-13 मे संशोधन कर अमानवीय दास-प्रथा समाप्त कर दी।

ठीक ऐसी ही एक कुप्रथा भारतीय संदर्भ में संविधान सभा और डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने मिलकर समाप्त की। उन्होने भारतीय संविधान के 'अनुच्छेद-17' में "अस्पृश्यता" के सभी रूपो को समाप्त किया तथा 'अनुच्छेद-15' एवं "हिन्दू विवाह अधिनियम-1955"

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

से स्त्री-पुरुष समानता को वैधानिक दर्जा दिया।

वैधानिक दर्जे से पूर्व भी भारत में एक सामान्य समझ के रूप में परम सत्ता की नैतिकता और समाज कल्याण का भाव दिखता है। चाहे वह वैदिक परम्परा की गणतंत्र पद्धति हो, या सम्राट अशोक की धम्म नीति या अकबर की धार्मिक सामंजस्य नीति इन सबमें परम सत्ता की नैतिकता, पवित्रता दिखती है।

इसके अतिरिक्त, दार्शनिक दुनिया के शीर्ष पर बैठे महान दर्शन शास्त्रियों ने समाज को कल्याणकारी बनाने की दिशा में काम किया। चाहे वह प्लेटो, सुकरात और अरस्तु के नैतिक विचार है। जे. एस. मील की समानता सिद्धांत हो या कार्ल मार्क्स की वर्ग समानता धारणा या गाँधी के नैतिक विचार; सभी का उद्देश्य समाज को नैतिकता की राह दिखाकर कल्याण के कर्तव्य पथ पर उन्मुख करना था।

दर्शन परम्परा में मनुष्य के साथ-साथ प्रकृति के प्रति प्रेम को भी

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दिखाया जाता है। यह हमारा परम कर्तव्य होना चाहिए कि प्रकृति के प्रति हम सम्मान का भाव रखे। अपनी प्राचीन गलतियो से सीखकर आज विश्व के शीर्ष नेता, आम लोग, नागरिक समूह पर्यावरणीय नैतिकता के प्रति जवाबदेह बन रही है। जैसे संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण प्रोग्राम (UNEP), ग्रीनपीस NGO इसमें महत्वपूर्ण है।

साथ ही साथ तकनीकी संदर्भ में भी आज परम सत्ता मानव कल्याण की राहे खोज रही है। जैसे NASA द्वारा चाँद पर मानव उपयोगी तत्वो की खोज हो या अंतरिक्ष स्टेशन से खगोलशास्त्र की अवधारणा समझना हो। स्पेस की परमसत्ता नित्य रूप में तकनीकी का उपयोग मानव कल्याण में कर रही है भारत का ISRO नागरिको को शिक्षा, स्वास्थ्य, GPS, GIS, मंगलयान आदि से मानवो के लिए नई दृष्टिकोण (कल्याण) पर सोच रहा है

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सत्ता और भ्रष्टाचार की गठजोड़िता से दूर कई ऐसे लोकप्रशासक हुए है जो सत्ता के शीर्ष पर होने के बावजूद अपनी सादगी एवं सौम्यता बनाए रखे है। एडवर्ड स्नोडाउन ऐसे ही एक व्यक्ति है। भारतीय प्रशासनिक अधिकारी (हरियाणा कैडर) श्री अशोक खेमका जी भी इसमें गिने जाते है। जो मानते है-

"सादगी मनुष्य का चरम परिष्करण है।"
~ लियोनार्दो-द-विंची

भारत में तो संविधान की सर्वोच्चता-लोकतंत्र पद्धति और शक्ति संतुलन का सिद्धांत परम सत्ता को सैद्धांतिक तौर पर तो विकेन्द्रियकृत कर ही चुका है। भारत में सत्ता और भ्रष्टाचार के संबंध की गहराई न बढ़े इसलिए लोकतांत्रिक विकेन्द्रिय-करण के तहत 73वाँ/74वाँ संविधान संशोधन से त्रिस्तरीय सरकार बनाई। संसद में "विपक्ष की भूमिका" का महत्व बताया और सबसे प्रमुख "कांस्टिट्यूशनल सुप्रीमेसी" की अवधारणा अपनाई।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

देखा जाए तो सत्ता भ्रष्टाचार को बढ़ाती तो है परन्तु यदि उचित प्रशासनिक, सामाजिक, सांस्कृतिक सुधार किया जाए तो भ्रष्टाचार को कम अवश्य किया जा सकता है।

द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग (ARC) की रिपोर्ट इस संदर्भ में सहायक हो सकती है। जो परम सत्ता को जवाबदेह, पारदर्शी शासन प्रणाली, विवेकाधिकार शक्तियो में कमी, नैतिक मूल्यों का बीजारोपण करने को बढ़ावा देती है।

इसके अतिरिक्त परम सत्ता के भ्रष्टाचारी ढाँचे को तोड़ने हेतु महिलाओ, वंचित वर्गों, समलैंगिको के लिए विधिक अधिकार भी महत्वपूर्ण होगे। हालियाँ समय का नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 परम सत्ता की सामाजिक भ्रष्टता कम करने में कारगर साबित होगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उन सबके बावजुद वास्तविक बदलाव व्यक्ति के व्यवहार में बदलाव करके, सामाजिकरण के मूल्यों में सुधार करके, नैतिक मूल्यों के बीजारोपण। तथा अपनी प्रतिबद्धताओ की दृढ़ता से ही परम सत्ता की शक्तियों को उचित दिशा दी जा सकेगी। जैसे यदि मौर्यकाल की परमसत्ता में ~~विनायक~~ घनानंद यदि भ्रष्टता का कार्य नहीं करता तो हमारा देश सिकन्दर के आक्रमणो से सुरक्षित होता तथा भविष्य में और कोई भी हमारे देश पर आक्रमण करने से पहले कई बार सोचता।

परमसत्ता − जवाबदेहिता = भ्रष्टचार

परमसत्ता + जवाबदेहिता + शक्ति का विकेन्द्रियकरण ⇒ सुशासन

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-1

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड-B/SECTION-B

Topic:

"समाज तब महान बनता है जब समाज के वृद्ध लोगो द्वारा लगाए गए पेड़ो की छाया आने वाली पीढ़ियो को मिले।"

छुट्टियो के दिनों में जब मै कभी घर जाती हूँ तब मेरे पापा और बुआ हम दोनों बहनो को अपनी दादी की बाते सुनाते है। वे बताते है कि, दादा-दादी ने अपने समय में छोटी छोटी पूँजी को इकट्ठा करके - जो उन्होने दिहाड़ी मजदूरी करके कमाई थी - हम लोगो के रहने के लिए घर बनाया था। मेरे पापा और बुआ इस बात के लिए हमेशा उनके शुक्रगुजार रहते है कि उन्ही की बदौलत आज हम अच्छे घर गृहस्थी के जीवन मे है और उनकी दोनों बेटिया देश की प्रतिष्ठित संस्थानो से शिक्षा पा रही है।

ये दोनो बेटिया आज उनके समाज की रॉल मॉडल है और बाकी लड़कियो के लिए भी शिक्षा उत्प्रेरक का कार्य कर रही है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

ये मेरी कहानी है। समाज के अन्य अलग अलग हिस्सो में ऐसी कई कहानियाँ होगी जहाँ के वृद्धजनो की अच्छाइयो का लाभ उनकी आगामी पीढी/ समाज को सकारात्मक रूप में मिल रहा होगा।

दरअसल हमारे समाज की संरचना लोगो के समुच्चय से ही मिलकर बनी होती है हमारे अतीत के लोगो के अनुभव और कार्यप्रणाली ही आने वाली पीढ़ियो के लिए 'दिशानिर्देशिका' का कार्य करती है यदि हम हमारे समाज की आने वाली जरूरतो को ध्यान में रखकर आज काम करते है तो हमारा समाज महानता की ओर जाता है। हमारे "समाज के बीज" कैसे है, वे ही ये निर्धारित करते है कि "समाज में फल" किस तरह के आएँगे।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस संदर्भ में हम परम्परावादी दृष्टिकोण को देख सकते है। जैसे अंग्रेजी साहित्य जगत में 'हड़सन' और हिन्दी साहित्य जगत में हजारी प्रसाद द्विवेदी इस मान्यता को मानते है कि समाज की महानता, समाज के वृद्ध लोगो द्वारा किए कार्यो पर भी निर्भर करती है।

साहित्य की अकादमिक / सैद्धांतिक दुनिया के परे, हमें हमारे सामाजिक - सांस्कृतिक ताने बाने में भी ऐसे मूल्य देखने को मिल जाते है। जैसे हमारा आदिवासी समाज जो अपनी परम्परा का निर्वहन ही आगे बढ़ाता है। अंडमान में रहने वाली ओंगे जनजाति अपनी ~~चि~~ प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से तो वही मध्यप्रदेश में रहने वाली बैगा जनजाति अपना टैटू (tatto) चित्रण कला को अपनी परम्परागत पीढ़ी निर्वहि के रूप में दिखाती है जो उनकी मौलिकता भी दिखाती है।

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हम अक्सर एक कथन सुनते है कि "पृथ्वी हमारे पूर्वजो से हमें देन में नही मिली है बल्कि यह हमारे आने वाली पीढ़ी का हमारे ऊपर ऋण है" यह बात हमें स्पष्ट करती है कि पर्यावरण के प्रति सतत विकास लक्ष्यों को हमें अपनाकर चलना होगा।

परम्परागत पीढ़ी तथा हमारे समाज के वृद्धजन के चिकित्सा क्षेत्र में लगाए गए पेड़, आज हमारी पीढ़ी आयुष पद्धति (आयुर्वेद, यूनानी, योग, सिद्ध, होम्योपैथी, सोवा-रिग्पा, पंचकर्म) के रूप में अपना रही है। भारत सरकार ने तो इस संदर्भ में 2012 में मंत्रालय भी बना दिया था।

ये सभी बाते हमारे समाज को महान बनाती है। इन सभी परिप्रेक्ष्यो के साथ हमारी सभ्यता और संस्कृति के आयाम भी हमारे पूर्वजो

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

का हमारी पीढ़ी पर उपकार है। जैसे हड़प्पा सभ्यता में साक्ष्य के तौर पर मिला स्वास्तिक चिन्ह (卐) आज भी भारतीय घरो के दरवाजो पर बना दिख जाएगा।

सांस्कृतिक धरोहर की ही परिपाटी मे हमारा कला, संस्कृति और विज्ञान का ज्ञान आज भी हमारी पीढ़ी के लिए गौरव का विषय बना है। चाहे वह विश्व धरोहर स्थल भीमबैठिका (मध्यप्रदेश) हो, ताजमहल (विश्व का अजुबा) हो या तंजोर का वृहदेश्वर मंदिर (तमिलनाडू)। ये सभी हमारे समाज के वृद्ध जनो द्वारा लगाए गए पेड़ है।

नैतिक मूल्यों का बीजारोपण तथा सामाजिकरण की प्रक्रिया का हमारे समाज तथा आनुवंशिक जीनो का स्पष्ट प्रभाव दिखता है। दुनिया की प्रसिद्द वाद-विवादो में से एक

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

"रसेल और बटलर डिबेट" इस बात की पुष्टि भी कर चुकी है।

विश्व स्तर पर हुई क्रांतियाँ जिन्होने हमे न्याय की धारणा (रूस क्रांति) समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व का विचार (फ्रांस क्रांति), लोकतंत्र तथा मूल अधिकार (इंग्लैण्ड की रक्तहीन क्रांति, 1688) की ही देन हमारी पीढ़ी के लिए है। जो आज हमारे प्रमुख राजनीतिक आदर्श है।

इसके अतिरिक्त हमारे समाज ने पूँजीवाद, समाजवाद तथा अर्थतंत्र की व्यवस्था हमारे अतीत में हुए कमियो के नुकसान जैसे 1929 की आर्थिक मंदी, 2008-2009 का आर्थिक संकट से ही हमारी आने वाली पीढ़ी सीखी है और हमारे वृद्धो द्वारा लगाए पेड़ो की छाँव का सदुपयोग किया है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख[ना] चाहिये।
(Candidate must no[t] write on this margi[n])

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आज हमारा समाज विज्ञान की दुनिया में नीत नए कदम आगे बढ रहा है, परंतु इसकी देन हमे हमारे पूर्वजो के ज्ञान से ही मिलती है। आर्यभट्ट का आर्यभट्टीयम, सूर्यसिद्दांत खगोलशास्त्र की गुत्थी सुलझाता है तो वही लीलावती तथा 'ब्रह्मस्फुटसिद्दांत' गणितीय कठिनाइयो को दूर करता है। इसरो (ISRO) के पूर्व चेयरमेन के. सिवन ने कहा था-

"अंतरिक्ष के रहस्यो का हल - हमें आज का विज्ञान और बीते कल के ऐतिहासिक वैज्ञानिक ग्रंथ - सुलझाने में मददगार हो सकता है।"

- के. सिवन

समाज की महानता इन्हीं सभी बातो और हमारे वृद्दो की सुझ- बुझ के पश्चात ही हमारे समक्ष आती है। परंतु जैसे की हर सिक्के के दो पहलू होते है वैसे ही इस संदर्भ के अन्य आयाम भी है

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

मसलन समय और स्थान नैतिकता को निर्धारित करने में अहम् भूमिका निभाते हो ऐसा हो सकता है, कि हमारे पूर्वजो द्वारा उनके समय में कोई प्रासंगिक पेड़ बोया हो परंतु उसकी छाँव आज के मूल्यों के अनुरूप न हो।

जैसे की पुनर्जागरण काल में राजा राम मोहन राय ने सती प्रथा का विरोध (1929) किया तो वही ईश्वर चन्द विद्यासागर ने विधवा पुनर्विवाह (1856) का समर्थन किया। ये सभी ऐसे मूल्य है जो आज हमारे समाज में प्रासंगिक नही।

एक समय पहले तक भारत मे आर्य श्रेष्ठता तथा अमेरिका में "व्हाइट सुप्रीमेसी" चलता था परन्तु आज समाज सांस्कृतिक विलयन, मिलन के दौर से गुजर रहा है जहाँ प्रत्येक व्यक्ति की

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।
(Candidate must n write on this marg

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

"पहचान- अस्मिता" का सभी आधारो पर सम्मान किया जाता है। जैसे हमारे पूर्वज वृहद समलैंगिक अधिकारो के विरुद्ध थे परंतु आज उन्हे 2019 अधिनियम से भारत में विधिक अधिकार दिए गए है।

इसी तरीके से जाति व्यवस्था, पुरुषवादी मानसिकता संबंधी अन्य सामाजिक विद्रूपताओ के प्रति भी हमारी आज की पीढ़ी मानने के लिए प्रतिबद्ध नही है। जैसे मैं समाज के एक खास तबके से संबंध रखती हूँ तो इसका अर्थ यह नही है कि अब मैं भी वही काम-काज जो मेरे पूर्वज करते आ रहे है।

यही वे बाते है जो हमे हमारे पूर्वजो से मूल्यों के तौर पर संशोधित रूप में लेनी होती है। समाज की वर्तमान स्थिति को देखकर प्रगतिशील मूल्यों को अपनाने में ही वास्तविक अर्थ है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

समाज की श्रेष्ठता का

यही संदर्भ पीढ़ी संघर्ष - अर्थात् नवयुवको द्वारा अपने वृद्धो के विरुद्ध बगावत - को भी उत्पन्न कर देता है। वास्तव मे हमारी सभ्यता मे होने वाला तकनीकी बदलाव भी इसका प्रमुख कारण है।

"सभ्यता एक फुल है और संस्कृति उस फुल की महक।"

-ए. एल. बेशम।

तो अब वास्तविकता का ऊहापोह की स्थिति बन जाती है कि हमारे पूर्वजो के किन मूल्यों को हमें परम्परागत रखना है और किन मूल्यों पर हमें रोक लगानी है।

वास्तव में हर कार्य मूल्य के पीछे उस समाज या देश काल का वातावरणीय स्थितियाँ छिपी रहती है। हमें सबसे पहले

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[illegible] चाहिये।
(Candidate must [illegible] write on this marg[illegible]

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मूल्यों के प्रतिस्थापन के कारणों को समझना होगा। तत्पश्चात उनकी प्रासंगिकता देखनी होगी। इसके साथ ही "संविधानवाद" की अवधारणा और 'संवैधानिक नैतिकता के मूल्य' हमारे मार्गदर्शक की भूमिका निभा सकते हैं।

"संविधान हमारी पीढ़ियों का राह दिखाता है और उद्देशिका इस संविधान का परिचय पत्र है"
— एन. पालकीवाला

स्पष्टत: समाज की महानता समाज के वृद्ध लोगों द्वारा बोए गए अच्छे पेड़ों से ही शुरु होती है जो हमारी पीढ़ी को लाभ पहुँचा पाती है। इन मूल्यों के आत्मसत्कार से ही समाज की श्रेष्ठता आती है। वास्तव मे व्यक्ति अपने समाज, स्थिति और विचारों का उत्पाद ही है।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अपने वृद्धो के अनुभवो से सीखकर आज की पीढ़ी अपनी वेगशील ऊर्जा को सही दिशा प्रदान कर सकती है। 'इन्टरनेशनल लेबर संघ" सहित अनेक संस्थाए इस बात की पुष्टि अपनी रिपार्ट मे करती है।

और व्यक्ति/पीढ़ी की महानता मे वृद्ध/समाज की भूमिका के संदर्भ में डॉ. कलाम कहते है-

"यदि किसी देश को सुन्दर हृदय वाला देश बनाना है तो मेरा दृढ़ विश्वास है कि समाज के तीन लोग इसमें प्रमुख भूमिका निभा सकते है।- वे है- माता-पिता और गुरु।"

- डॉ. कलाम साहब

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-2

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि चाहिये।
(Candidate must write on this mar

Copyright – Drishti The Vision Foundation

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

समाज तब महान बनता है जब समाज के वृद्ध लोगों द्वारा लगाए गए पेड़ों की छाया आने वाली पीढ़ियों को मिले।

Start: ① Story – my self मेरे दादा की सीख

② Link → paragraph

③ Break down –

④ Dimension:

Yes: महान बनता है
→ cultural
– social
– Environmental
– परम्परा।
→ Tribal medicine
→ Ayush पद्धति
→ one Nation one health
→ पंचप्राण / सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण।
→

→ Religious text
→ Arya samaj
→

(NO) बुरी बातों की छाया नहीं लेना है
→ जो समाज ने नहीं की
→ उनकी जो समाज ने थोपा है उनको नहीं लेना है।

End: Ending
• एक रथ के दो पहिये
अनुभव एवं शक्ति
⇓
सीखना है मार्ग

Challenges:

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये। (Candidate must [not] write on this mar[gin])

सत्ता इंसान को भ्रष्ट करती है और पूर्ण सत्ता इंसान को पूरी तरह से भ्रष्ट करती है।

① Start: 8" घनानंद "

② Decoding - word by word

Main Body

yes:
① Myth - दुर्योधन
② history → रूस जारशाही
→ Hitler
③ Medieval → मुहम्मद शाह रंगीला
④ Modern → ब्रिटिशर्स
⑤ political → China
North Korea.
⑥ Social → Caste system
→ पुरुषवाद
⑦ Admin → Scandal / 2G Spectrum
→ Harshad Mehta
⑧ Hobby →
⑨ Literature → हिन्दी साहित्य
→ रीतिकाल कवि
⑩ Cinema → Robot
⊙ AI technology →
⊙ Geography - Russian territory.
⊙ Disaster - Man made
→ [illegible]
⊙ Security - लोगो को मरवाना
- Russia
- America
⊙ Ethical → संत बाबा / महंत
⊙ Environment Blunder
" [illegible]

No
→ Abraham Lincoln ✓
→ IAS officers ✓
→ Ashok, Akbar ✓
→ philosophical - Ideas
↓
[illegible]

Sofistication पतन परिणाम है

* Space technology
* Environment
* रस्सा < [illegible] concept
- French →
* संविधानवाद supremacy
* Lal Bahadur shastri

Balance is Zaruri

* II ARC Report
× Grievance
* Good Gove
* participation
* transparency

Way forward [illegible]
" [illegible] spider man"

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation